सुप्रीम कोर्ट में आनासागर संरक्षण पर ऑनलाइन सुनवाई आज

ऑनलाइन सुनवाई में मुख्य सचिव सुधांशु पंत सरकार की ओर से अपना पक्ष रखेंगे

- राज्य की भाजपा सरकार द्वारा आनासागर झील को वेटलैंड क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रिया तेज करते हुए इस संबंध में उठाए गए कदमों का 46 पेज का हलफनामा पेश किया जाएगा

अजमेर, (कासं)। अजमेर की आनासागर झील के भराव क्षेत्र में हुए अवैध निर्माणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर हुई कार्यवाही को लेकर सोमवार को ऑनलाइन सुनवाई होगी। राज्य की भाजपा सरकार द्वारा आनासागर झील को वेटलैंड क्षेत्र घोषित करने की प्रक्रिया तेज करते हुए इस संबंध में उठाए गए कदमों का 46 पेज का हलफनामा पेश किया जाएगा। ऑनलाइन सुनवाई में मुख्य सचिव सुधांशु पंत सरकार की ओर से अपना पक्ष रखेंगे। सुप्रीम कोर्ट में सरकार को स्पष्ट करना होगा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत किए गए निर्माणों में पर्यावरण और हाई गाइड लाइन के उल्लंघन के आरोप कितने सही हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इस मामले पर सुनवाई होगी, मुख्य सचिव सुधांशु पंत सरकार का पक्ष रखेंगे। सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि क्या स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण नियमों का उल्लंघन हुआ है, यदि हुआ है तो भविष्य में ऐसी गलतियों से बचने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से झील की सुरक्षा के लिए बनाई गई बाउंड्री वॉल और प्रोटेक्शन वॉल (पाथ-वे) के निर्माण की अनुमति मांगी है। इस पाथवे की तकनीकी और पर्यावरणीय जांच छह महीने में पूरी होगी।

जानकारी के अनुसार अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में हुए निर्माणों को लेकर सुप्रीम कोर्ट और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों के बाद सरकार द्वारा भराव क्षेत्र में हुए अवैध निर्माणों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है, लेकिन सवाल उठता है कि क्या स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण नियमों की अनदेखी की गई थी। सरकार का दावा है कि आनासागर को वेटलैंड घोषित करने की प्रक्रिया पूरी होने वाली है। इसके लिए उपवन संरक्षक ने 12 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। यह कमेटी अगले एक माह में स्टेट वेटलैंड अथॉरिटी को रिपोर्ट सौंपेगी.जिसमें झील की विस्तृत सर्वे रिपोर्ट, अक्षांश और देशांतर की जानकारी, प्रभाव क्षेत्र और अन्य आवश्यक बिंदुओं को शामिल किया गया है।

एनजीटी के आदेश की पालना करते हुए प्रशासन ने महज खानापूर्ति करते हुए आनासागर झील के भराव क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण कार्यों को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रमुख रूप से सेवन वंडर पार्क में बनी स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी की मूर्ति को हटाया गया है। पार्क में बनी कैंटीन और अन्य अवैध निर्माण तोड़े गए हैं। इस मामले में सरकार कोर्ट से छह महीने की मोहलत मांग रही है, ताकि इन संरचनाओं को दूसरी जगह शिफ्ट किया जा सके। पार्क को दो माह में तोड़कर इसे ग्रीन लॉन में बदला जाएगा। आनासागर के किनारे बने फूड कोर्ट पर जेसीबी मशीन से अब तक 650 स्क्वायर मीटर क्षेत्र में निर्माण तोड़ा गया है और ग्रीन एरिया विकसित किया जा रहा है। आजाद पार्क और पटेल मैदान में किए गए निर्माण भी विवादों के घेरे में हैं। टेबल टेनिस हॉल, स्वीमिंग पूल, एथलेटिक ट्रैक, लॉन टेनिस कोर्ट और बैडमिंटन हॉल जैसे निर्माणों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है कि वे पटेल मैदान में बने हैं या आजाद पार्क में। गांधी स्मृति उद्यान में बने पाथवे और ऑडिटोरियम पर भी कार्रवाई चल रही है।

सरकार का दावा कि आनासागर झील की सफाई लगातार की जा रही है। डीवीडिंग मशीन और मैनपावर के जरिए झील से गाद और कचरा निकाला जा रहा है। वर्ष 2024 में 2.19 करोड़ रुपए की लागत से दूसरी डीवीडिंग मशीन खरीदी गई। झील की सफाई पर लगभग 5 करोड़ 40 लाख रुपए अब तक खर्च हो चुके हैं, जबकि वास्तविक हालात यह है कि करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद भी झील के हालत जस की तस है।

250 पेटी अंग्रेजी शराब जब्त, चार जने गिरफ्तार

नोखा पुलिस ने अवैध शराब सहित चार जनों को पकड़ा।

- रासीसर गांव के भारतमाला रोड़ पर पिकअप में शराब पकड़ी
- पुलिस ने शराब की तस्करी में प्रयुक्त पिकअप के साथ एस्कॉर्ट कर रही कार जब्त की

नोखा, (निसं)। नोखा पुलिस ने शनिवार देर रात्रि में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह के निर्देशन में नोखा थानाधिकारी अमित स्वामी की टीम ने रासीसर गांव के भारतमाला रोड़ पर देर रात एक पिकअप वाहन को पकड़ा। वाहन की तलाशी में पुलिस को 250 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत लाखों रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से बाड़मेर जिले के रामसर थाना क्षेत्र के चार युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान रमेश, सुरेश, कैलाश और धोलाराम बिश्नोई के रूप में हुई है। पुलिस ने शराब की तस्करी में प्रयुक्त पिकअप के साथ एस्कॉर्ट कर रही स्विफ्ट कार को भी जब्त कर लिया है। यह कार्रवाई अवैध शराब की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है।

विवाहिता ने फांसी लगाई

खाजूवाला, (निसं)। वार्ड पांच में एक 25 वर्षीय महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस को सुसाइड नोट भी मिला है।

थानाधिकारी सुरेन्द्र प्रजापत ने बताया कि वार्ड पांच निवासी 25 वर्षीय सोनम पत्नी सोनू कुमार ने ससुराल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों को जब सूचना मिली तो परिजन महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले आए, जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस को यहां सुसाइड नोट भी मिला है। महिला के पीहर पक्ष के लोगों को सूचना दी गई है। उनके आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अजमेर एलिवेटेड रोड भ्रष्टाचार के मामले में आरएसआरडीसी एमडी को लोकायुक्त ने समन भेजा

- अजमेर का बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड जो शहर के ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए बनाया गया था, खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंसा
- करीब 275 करोड़ रुपए की लागत से बने प्रोजेक्ट में भारी अनियमितताएं सामने आई, कई इंजीनियर और अधिकारी जांच के घेरे में
- लोकायुक्त इस घोटाले की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं और 15 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई होगी

अजमेर, (कासं)। अजमेर का बहुप्रतीक्षित एलिवेटेड रोड जो शहर के ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए बनाया गया था, खुद भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गया है। करीब 275 करोड़ रुपए की लागत से बने इस प्रोजेक्ट में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं। लोकायुक्त ने राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आरएसआरडीसी) के एमडी को समन भेजा है, जबकि कई इंजीनियर और अधिकारी जांच के घेरे में आ गए हैं।

इससे पहले अजमेर कलेक्टर ने भी प्रोजेक्ट के दो डायरेक्टरों को चार्जशीट जारी की थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति हुई। अब लोकायुक्त इस घोटाले की तह तक जाने की कोशिश कर रहे हैं और 15 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई होगी।

याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने आरोप लगाया है कि इस परियोजना में करीब 60 करोड़ रुपए का गबन हुआ है। निर्माण कार्य पांच साल की देरी से पूरा हुआ, लेकिन इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदार पर 22 करोड़ रुपए की पेनल्टी तक नहीं लगाई गई। सरकारी जमीन पर निर्माण सामग्री रखने का किराया भी 15 से 22 करोड़ रुपए तक वसूलना था, जो अब तक वसूला नहीं गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि नवंबर 2019 से ठेकेदार को चार बार एक्सटेंशन दिया गया और कुल 38 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भुगतान मूल्य वृद्धि के नाम पर कर दिया गया। यानी सरकार ने देरी करने वालों को सजा देने के बजाय उन्हें और ईनाम दे दिया। इस सड़क को 8.5 मीटर चौड़ा बनाया जाना था, लेकिन कई जगह इसकी चौड़ाई कम कर दी गई। सीमेंट-कंक्रीट की जगह डामर की सड़क बना दी गई, जिससे इसकी मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं। बारिश के दिनों में जलभराव की समस्या बनी रहती है, क्योंकि ड्रेनेज सिस्टम भी सही से नहीं बनाया गया। मलिक का आरोप है कि योजना के तहत 39 हजार 350 वर्ग मीटर में सर्विस रोड और स्लिप लेन बननी थी, लेकिन सर्विस रोड तो बना ही नहीं, फिर भी 8 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया गया। स्मार्ट सुविधाओं जैसे ट्रैफिक लाइट, साइनेज, सीसीटीवी कैमरे आदि लगने थे, लेकिन 2022 तक कोई काम नहीं हुआ। इसके बावजूद 5 करोड़ रुपए का फर्जी भुगतान कर दिया गया।

मामले में आरएसआरडीसी की एईएन चारू मित्तल, नरेश शेरसिया, पीडी अरुण माथुर, हर्ष राय और राजेश शर्मा सहित कई अधिकारी संदेह के घेरे में हैं। लोकायुक्त ने जांच शुरू कर दी है और 15 अप्रैल को सुनवाई होगी।

सड़क हादसे में टीबा बसई के युवक की मौत

- रेवाड़ी जाते समय डिवाइडर से बाइक टकराने से हादसा हुआ

खेतड़ी, (निसं)। मेहाड़ा थाना क्षेत्र के बसई के एक व्यक्ति की नारनौल के पास सड़क हादसे में मौत हो गई। मृतक रेवाड़ी जा रहा था कि नारनौल के पास डिवाइडर से बाइक टकरा जाने से हादसे का शिकार हो गया।

जानकारी के अनुसार हरियाणा के नारनौल में नेशनल हाइवे नंबर 11 पर अटेली से थोड़ा आगे बने रेस्ट एरिया के पास एक बाइक डिवाइडर से टकरा गई। इस हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। गांव टीबा बसई निवासी दाताराम (38) पुत्र हरिराम बाइक पर सवार होकर किसी कार्य से जा रेवाड़ी की ओर जा रहा था। जब वह नेशनल हाईवे नंबर 11 के गोकलपुर रेस्ट एरिया के पास पहुंचा था कि उसकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। हादसे के दौरान आसपास के लोगों ने उसको घायल अवस्था में उपचार के लिए सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतक के शव का नारनौल के नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

ग्रामीणों ने बताया कि नेशनल हाईवे नंबर 11 के इस रेस्ट एरिया के पास पहले भी कई बार हादसे हो चुके हैं। घटना की सूचना मेहाड़ा पुलिस को दी गई तथा हादसे की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे।

हादसे में एक युवक की मौत

करौली, (निसं)। करौली-मासलपुर मार्ग पर बखतपुरा गांव के पास एक तेज रफ्तार जीप और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। हादसे में मोटरसाइकिल सवार 17 वर्षीय रामलखन की मौके पर मौत हो गई। वहीं उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार रामलखन जो बखतपुरा गांव का रहने वाला था अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल पर सवार था। इसी दौरान एक तेज रफ्तार जीप ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जीप भी सड़क से नीचे पलट गई। घायल युवक को करौली अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार जारी है। मृतक रामलखन के शव का पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया। करौली हॉस्पिटल पुलिस चौकी के कॉन्स्टेबल रामप्रकाश शर्मा के अनुसार, मृतक रामलखन मोतीलाल माली का पुत्र था। मासलपुर थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार जीप चालक की तलाश जारी है।

सीआरपीएफ जवान ने अपने नवनिर्मित मकान में आत्महत्या की

सीआरपीएफ जवान प्रहलाद राय वर्मा सीआरपीएफ जीसी-2 बटालियन अजमेर में तैनात था

- मृतक जवान प्रहलाद राय वर्मा का विवाह 2002 में हुआ था, उसके तीन बेटियां और एक बेटा हैं, जो अजमेर में रह रहे थे
- जवान 2001 में सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था और वर्तमान में अजमेर में तैनात था

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ग्राम नांगलभीम निवासी सीआरपीएफ के जवान प्रहलाद राय वर्मा ने अपने नवनिर्मित मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर श्रीमाधोपुर सीएचसी मोर्चरी में रखवाया। मृतक जवान सीआरपीएफ जीसी-2 बटालियन, अजमेर में तैनात था और 11 मार्च को छुट्टी पर घर आया था।

परिजनों के अनुसार, प्रहलाद राय छुट्टी के दौरान अपने पुराने घर नांगलभीम में रह रहा था। रविवार को वह अपने नवनिर्मित मकान, लक्ष्मीनगर, वार्ड नंबर 29, श्रीमाधोपुर पर गया था। दोपहर में छोटे भाई लोकेश ने फोन किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर वह मकान पर पहुंचा तो अंदर जवान का शव फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही थानाधिकारी विजय सिंह व हेड कांस्टेबल रूडाराम मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सीएचसी मोर्चरी में रखवाया एवं मृतक की बटालियन को भी सूचना दी। मृतक जवान प्रहलाद राय वर्मा का विवाह 2002 में पटवारी का बास निवासी सुशीला से हुआ था। उनके तीन बेटियां और एक बेटा हैं, जो अजमेर में रह रहे थे। जवान 2001 में सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था और वर्तमान में अजमेर में तैनात था। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी है। शव का पोस्टमार्टम सोमवार को किया जाएगा।

दुष्कर्म का आरोपी जयपुर से गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिला पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार आरोपी परविंद्र सिंह निवासी 3 बीबी पदमपुर कार ड्राइवर है।

आरोपी शहर की एक कॉलोनी में रह रहा था और इसी दौरान एक लड़की के संपर्क में आ गया। इसके बाद आरोपी परविंद्र सिंह ने लड़की को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया और बाद में शादी से मुकर गया। सूत्रों के अनुसार पीडित लड़की गर्भवती हो गई थी। इसके बाद जनवरी माह में मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस केस दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया। फरार होने के बाद आरोपी लगातार अपनी जगह बदलता रहा। हालांकि पुलिस तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की सूचना के आधार पर गिरफ्तारी के प्रयास में लगी रही। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया।

पड़ौसी महिला की प्रताड़ना से परेशान युवक ने सुसाइड किया

घर से 15 किलोमीटर दूर शव मिला, एक दिन पहले शिकायत दर्ज कराई थी

- मृतक का चार पेज का सुसाइड नोट लिखने की बात सामने आई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक व्यक्ति ने पड़ौसी महिला और उसके पति की प्रताड़ना से परेशान होकर नहर में कूदकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने घटनास्थल से करीब 15 किलोमीटर दूर बॉडी मिलने पर पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

कोतवाली थानाधिकारी पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि मृतक के भाई गौरव शर्मा ने मामला दर्ज कराया है। रिपोर्ट में बताया कि उसके भाई सेतिया फॉर्म के रहने वाले गोविंद शर्मा को पड़ौस में रहने वाली नेहा शर्मा और उसका पति अनिल शर्मा प्रताड़ित करते थे। पड़ौसी महिला और उसके पति की प्रताड़ना से तंग आकर नहर में कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने घटनास्थल से करीबन 15 किलोमीटर दूरी पर गोविंद शर्मा की बॉडी मिलने पर पोस्टमॉर्टम करवा परिजनों को सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच खुद कोतवाली थानाधिकारी पृथ्वीपाल सिंह कर रहे हैं। मृतक के चार पेज का सुसाइड नोट लिखने की बात सामने आई है, जिसमें उसने कई बातों का जिक्र किया है। सीआई पृथ्वीपाल सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। घटना से एक दिन पहले 11 मार्च को गोविंद ने सेतिया फॉर्म पुलिस चौकी में नेहा शर्मा के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगले दिन फिर नेहा ने गोविंद का अपमान किया। इससे व्यथित होकर 12 मार्च को गोविंद ने सुसाइड नोट लिखा और नेतेवाला के पास नहर में कूदकर जान दे दी। गौरव का आरोप है कि नेहा शर्मा सितंबर 2022 से उनकी पत्नी एकता के संपर्क में आई और उसे भी परिवार के खिलाफ भड़काने लगी। वह गौरव की मां के साथ भी बदसलूकी करती थी।

खड़े ट्रेलर में घुसी बस, दो की मौत, 16 जने घायल

हादसा बीकानेर के नापासर थाना इलाके के एनएच 11 रायसर के पास हुआ

घायलों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया।

बीकानेर, (निसं)। लोक परिवहन की बस सड़क पर खड़े ट्रेलर में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि बस के केबिन का पूरा हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि 16 गंभीर घायल बताए गए हैं।

हादसा बीकानेर के नापासर थाना इलाके के एनएच 11 का रायसर के पास का है। नापासर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को बीकानेर के पीबीएम अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया गया है, जहां 16 घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे में जान गंवाने वाली महिलाएं हवा कंवर और निरमा देवी (60) हैं। जानकारी के अनुसार, घायलों में 7 से 8 लोग केबिन में बैठे हुए थे, बाकी उतरने के लिए खड़े थे। इसी दौरान रायसर के पास एनएच 11 पर सड़क पर ट्रेलर खड़ा था। तेज रफ्तार में चल रही बस पीछे से ट्रेलर में जा घुसी। इसके बाद बस में चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने पुलिस को फोन कर हादसे के बारे में जानकारी और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

घर में बने पानी के होद में 17 दिन की मासूम बच्ची का शव मिला

मासूम बच्ची की हत्या किसने की है और क्यों की है, पुलिस ने जांच शुरु की

- परिवार के सदस्य खेत में फसल कटाई के लिए हुये थे, पिछे से बच्ची की मां ने फोन कर जानकारी दी

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में एक 17 दिन की मासूम बच्ची की हत्या करने का मामला सामने आया है। घर में ही बने पानी की होद में मासूम बच्ची का शव तैरता हुआ मिला। हत्या किसने की है और क्यों की है, यह अभी तक सवाल बना हुआ है।

घर में बना हुआ पानी का होद, जिसमें बच्ची का शव मिला।

जानकारी के मुताबिक झुंझुनूं शहर के वार्ड नंबर 53 नयाबास में प्रताप सैनी का परिवार रहता है। प्रताप सैनी के छोटे बेटे पंकज सैनी की पत्नी निशा उर्फ आचकी सैनी ने 28 फरवरी को अपनी दूसरी बेटी को जन्म दिया था, जिसके बाद वह अस्पताल में भर्ती रही। तीन मार्च को ही उसे अस्पताल से छुट्टी मिली तो उसकी दूसरी बेटी सोनिया का घर पहुंचने पर पारंपारिक रीतियों के अनुसार परिवार की महिलाओं ने स्वागत भी किया। सब कुछ ठीक चल रहा था, लेकिन रविवार सुबह जब परिवार के सभी सदस्य खेत में फसल कटाई के लिए घर से निकले, उसके करीब एक घंटे बाद निशा उर्फ आचकी ने रोते-बिलखते हुए फोन किया कि उसकी 17 दिन की बेटी सोनिया गायब हो गई है। जब 17 दिन की बेटी सोनिया गायब हुई, उस वक्त घर में निशा उर्फ आचकी, उसकी बड़ी बेटी तीन साल की नाहिरा तथा 17 दिन की बेटी सोनिया ही थी। परिवार के लोग फसल कटाई छोड़कर घर पहुंचे। उन्हें आशंका लगी कि कोई जानवर घर में घुसकर मासूम को उठा ले गया होगा। पूरे मोहल्ले के लोगों ने करीब एक घंटे तक घर में और घर के बाहर मासूम को तलाश किया, लेकिन कहीं पर भी कोई जानकारी नहीं मिली तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने आकर भी इधर-उधर तलाश किया। बाद में घर में बनी पानी की होद का ढक्कन खोलकर देखा तो उसमें 17 दिन की मासूम सोनिया का शव तैरता हुआ मिला, जिसे निकाला गया और बीडीके अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को दिया गया।

मृतक सोनिया के ताऊ अनिल ने बताया कि उनकी किसी से दुश्मनी भी नहीं थी। सोनिया के जन्म पर पूरे परिवार में खुशी का माहौल था। फिर भी अज्ञात व्यक्ति ने सोनिया को उसकी मां के पास से उठाकर उसे पानी की होद में डालकर मार दिया। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ताऊ अनिल की मानें तो उसकी भतीजी और मृतक सोनिया की बड़ी बहन तीन साल की नाहिरा ने बताया कि घर में दो व्यक्ति आए थे। ऐसे में यह भी जांच का विषय है कि बाहर से कोई व्यक्ति घर आया भी था या नहीं और आया था तो उसकी 17 दिन पहले जन्मी सोनिया से क्या दुश्मनी थी। पुलिस जांच में जुट गई है।